सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 10 • अंकः 116 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, गुरुवार, 30 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

हर एक कामयाबी और दौलत की शुरुआत एक विचार से होती है।

–नेपोलियन हिल

टी-20 में टीम इंडिया का शीर्ष स्थान... 7 | पवन ने खराब की राजग गठबंधन... 3 | सरकार की ओट में छिपे हैं माफिया... 2

मोदी के गांधी पर दिए बयान और ध्यान पर मचा घमासान

कांग्रेस व टीएमसी ने प्रधानमंत्री पर किया प्रहार

- ममता-सिंघवी बोले- आचार संहिता का उल्लंघन, बना रहे हैं प्रचार का हथियार
- विपक्ष बोला- पीएम के मौन व्रत के टेलीकास्ट पर लगे रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 1 जून को होने वाले अंतिम चरण के चुनावों के लिए आज प्रचार का अंतिम दिन है। इससे पहले आज सभी सियासी दलों ने एक दूसरे पर प्रहार करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। 57 सीटों पर अपनी-अपनी जीत के दावों के बीच दोनों प्रमुख गठबंधनों बीजेपी-राजग व कांग्रेस-इंडिया गठबंधन ने 4 जून को अपनी सरकार बनने के दावे भी शुरू कर दिया हैं।

इसी क्रम में सात चरणों में हो रहे लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) को निचले सदन में बहुमत के लिए जरूरी 272 से अधिक सीटें मिलेंगी, और वह 48 घंटे में प्रधानमंत्री चुन लेंगे। उधर बीजेपी ने उनके दावों को हवा-हवाई बताकर खारिज कर दिया। वहीं प्रचार से पहले प्रधान मंत्री मोदी के गांधी जी पर बयान और कन्याकुमारी में 30 मई के शाम के बाद ध्यान में जाने की घोषणा पर सियासी घमासान भी मच गया। इसके लिए कांग्रेस चुनाव आयोग पहुंच गई है। उधर ममता बनर्जी ने भी इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि पीएम इससे प्रचार करने का हथियार बना रहे हैं। ये चुनावी आचार सहिंता उल्लंघन है। हालांकि बीजेपी ने कहा कि विपक्ष को मोदी के बोलने में तो परेशानी होती है अब चुप रहने पर भी वह शोर मचा रहा।

इंडिया गठबंधन को बहुमत के लिए जरूरी सीटें मिलेंगी

सात चरणों में हो रहे लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) को निचले सदन में बहुमत के लिए जरूरी 272 से अधिक सीटें मिलेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि जब इंडिया जनबंधन पार्टी को जनादेश मिलेगा, तब एनडीए के कुछ दल गठबंधन में शामिल होने की इच्छा जाहिर करेंगे। हालांकि, उस समय कांग्रेस आलाकमान को फैसला करना होगा कि उन्हें गठबंधन में शामिल करना है या नहीं।

महात्मा गांधी पर पीएम मोदी की टिप्पणी पर भड़के राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के इस दावे पर परोक्ष रूप से कटाक्ष किया कि दुनिया को रिचर्ड एटनबरो की 1982 की जीवनी पर आधारित फिल्म गांधी की रिलीज तक महात्मा गांधी के बारे में नहीं पता था। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि सिर्फ 'एंटायर पॉलिटिकल साइंस' के छात्र को ही महात्मा गांधी के बारे में जानने के लिये फिल्म देखने की ज़रूरत रही होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र नेअपने इस दावे पर कांग्रेस की आलोचना की कि रिचर्ड एटनबरो की 1982 की फिल्म गांधी बनने से पहले तक दुनिया महात्मा गांधी के बारे में नहीं जानती थी। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या पिछले 75 वर्षों में गांधी को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना देश की जिम्मेदारी नहीं थी। महात्मा गांधी दुनिया की एक महान आत्मा थे। क्या इन 75 सालों में दुनिया को महात्मा गांधी के बारे में जानकारी देना हमारी जिम्मेदारी नहीं थी? उनके बारे में कोई नहीं जानता था। मुझे माफ करें, लेकिन पहली बार दुनिया में उनके बारे में जिज्ञासा पैदा हुई। जब फिल्म गांधी बनी थी तब हमने ऐसा नहीं किया था।

पीएम को मेरी सेहत की इतनी चिंता थी तो कर लेते फोन : पटनायक

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भाजपा द्वारा उनके स्वास्थ्य के बारे में उठाए जा रहे सवालों पर कहा कि मुझे कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है, मेरा स्वास्थ्य बहुत अच्छा है। मैं पिछले एक महीने से भीषण गर्मी में चुनाव प्रचार कर रहा हूं और मैं ठीक हूं। भाजपा के प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान अगर ओडिशा में भाजपा सत्ता में आती है तो नवीन बाबू के बिगड़ते स्वास्थ्य की जांच के लिए एक विशेष समिति बनाई जाएगी पर ओडिशा के मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी को मेरे स्वास्थ्य की इतनी चिंता है तो उन्हें कल रैली में जोर-जोर से इस बारे में बात करने के बजाय फोन पर मेरे स्वास्थ्य के बारे में पूछना चाहिए था।

48 घंटे के भीतर कर लेंगे प्रधानमंत्री का चयन : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक धड़े निर्णायक जनादेश। मिलेगा और प्रधानमंत्री पद के लिए उसके चयन पर फैसला करने में 48 घंटे से भी कम समय लग सकता है। गठबंधन में अधिकतम सीटें उसके नेतृत्व के लिए स्वाभाविक दावेदार होंगी। सात चरण के लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस महासचिव ने विश्वास जताया कि भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन को 272 के आंकड़े से काफी ऊपर सीटें मिलेंगी।

आज थम जाएगा चुनाव के अंतिम चरण का प्रचार

- आठ राज्यों की 57 सीटों पर 1 जून को होगा मतदान
- यूपी की 13 सीटों पर वोटिंग, पीएम मोदी और योगी की प्रतिष्ठा दांव पर
- यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय हैं वाराणसी से उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के छह चरणों का मतदान हो चुका है। एक जून को सातवें चरण के लिए मतदान होगा। इसके लिए चुनाव प्रचार आज शाम थम जाएगा। सातवें चरण में आठ राज्यों और केंद्र शासित राज्यों की 57 सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें उत्तर प्रदेश की 13 सीटों, बिहार की आठ, ओडिशा की छह, झारखंड की तीन, हिमाचल प्रदेश की चार, पश्चिम बंगाल की नौ और चंडीगढ़ की एक सीट शामिल हैं। उधर भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने ओडिशा के मुख्य चुनाव अधिकारी को ओडिशा में एग्जिट पोल के नतीजों के प्रसारण के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार एक टीवी चैनल के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

ईसीआई ने 28 मार्च, 2024 के अपने आदेश के तहत 19 अप्रैल, 2024 (सुबह 7 बजे) से 1 जून, 2024 (शाम 6:30 बजे) तक की प्रतिबंधित अवधि अधिसूचित की थी। वहीं इस फेज में यूपी की 13 सीटों पर वोटिंग होनी है। इन चरण में पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र में वोटिंग होनी है। साथ ही यह चरण सीएम योगी के प्रभाव वाला चरण भी है। इसी के साथ दुद्धी (अजजा) विधानसभा उप चुनाव के लिए भी वोट पड़ेंगे। इन सीटों के लिए प्रचार अभियान हस्पतिवार से थम जाएगा।

प्रदेश में इन 13 सीटों पर है मतदान

13 लोकसभा सीटों में से 11 सीटें सामान्य श्रेणी की हैं और 2 आरक्षित हैं। इस चरण के 13 लोकसभा क्षेत्रों में महाराजगंज,गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अजा), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चन्दौली, वाराणसी, मिर्जापुर, राबर्ट्सगंज (अजा) हैं।

भीषण गर्मी से बचने के लिए किए गए कई उपाय : निर्वाचन अधिकारी

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए मतदेय स्थलों में आवश्यक प्रबंध किये गये हैं। मतदान केन्द्रों में ठंडा पानी, शौचालय और दिव्यांग व वृद्धों के लिए व्हील चेयर व कुर्सियों की व्यवस्था की गई है। पोलिंग स्टेशन परिसर में मतदाताओं की कतार तक छाया के इंतजाम किये गये हैं। लू से बचाव के लिए प्रत्येक मतदेय स्थल पर पैरामेडिक्स व आशा कार्यकर्ताओं को पर्याप्त मात्रा में ओआरएस एवं मेडिकल किट उपलब्ध कराई गई है। सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ पैरामेडिक कर्मी भी तैनात किए गए हैं। आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा को अलग-अलग नों पर रखा गयाहै, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आसानी से मतदान केन्द्रों व मतदेय स्थलों (पोलिंग बूथ) पर भेजा जा सके।

सरकार की ओट में छिपे हैं माफिया बीजेपी को न करें वोट : अखिलेश

» सपा प्रमुख का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सोनभद्र। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। संविधान, किसान और गरीब, नौजवान के मुद्दों को उठाते हुए उन्होंने इंडी गठबंधन के प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। दुद्धी को जिला बनाने और बहुप्रतीक्षित कनहर सिंचाई परियोजना को पूरा करने का वादा किया। करीब 30 मिनट के संबोधन में अखिलेश यादव ने लोकल मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। मुख्यमंत्री का बिना नाम लिए कहा कि दो दिन पहले वह बड़ी-बड़ी बातें करके गए हैं।

जब वह खनन माफिया के खिलाफ बोल रहे थे, तब सभी माफिया उनके मंच पर पीछे बैठे थे। सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली और बनारस वाले माफिया आज बीजेपी के पीछे छिपे हुए हैं। सोनभद्र में ऐसी लूट कभी नहीं रही। यह जिला सबसे ज्यादा बिजली बनाता है, लेकिन यहीं के लोगों को बिजली नहीं मिल रही। अखिलेश यादव ने कहा कि हमने अस्पताल बनाना शुरू किया था, कनहर सिंचाई परियोजना शुरू कराई, लेकिन इस सरकार ने उसे रोक दिया। यह लोग मनमर्जी से चल रहे हैं। वह अपने मन की बात तो कहना चाह रहे हैं, लेकिन संविधान की बात नहीं सुनना चाह रहे। समाजवादी लोग लगातार काम कर रहे हैं, जबकि भाजपा वाले केवल सपने दिखा रहे हैं। कहा कि जो लोग संविधान बदलने निकले हैं, उसकी सरकार बदलने का मन देश की जनता ने बना लिया है। बाबा साहब का संविधान आपको बचाना है। कहा कि आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झूठा मुकदमा लगाकर सरकार ने जेल भेज दिया, ताकि आदिवासी लोग डर जाएं और वोट देने न जाएं। यहां के लोग भगवान बिरसा मुंडा के वंशज हैं, जो किसी से डरते नहीं हैं।

भाजपा के खिलाफ जनता के गुस्से का बढ़ रहा तापमान

अखिलेश यादव ने कहा कि जब से यह चुनाव शुरू हुआ है, लगातार गर्मी बढ़ रही है। तापमान 50 डिग्री तक कई जगह पहुंच गया है। अगर कोई सियासी तापमान नापेगा तो भाजपा के खिलाफ सबसे ज्यादा तापमान यहां दिखाई देगा। इतनी धूप के बावजूद लोग पंडाल व मैदान के बाहर बड़ी संख्या में लोग खड़े हैं। यह लोग भरोसा दिला रहे हैं कि इस बार इंडी गठबंधन विधानसभा भी जीतेगी और लोकसभा भी जीतकर जाएगी।

निष्पक्ष व भयमुक्त मतगणना के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखा पत्र

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन भेजकर शाहजहांपुर लोकसभा सामान्य निर्वाचन व ददरौल विधानसभा उप चुनाव की मतगणना निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं भयमुक्त कराने की मांग की है। सपा के प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन देकर मांग की है कि तत्काल संज्ञान में लेकर 4 जून को मतगणना के समय मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना विवरण फार्म-17-ग (भाग-2) में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाए।

ममता और केसीआर से बात करेंगे सपा प्रमुख

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव विपक्षी गठबंधन इंडिया की एक जून को दिल्ली में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में विपक्षी नेता आगे की रणनीति तैयार करेंगे। सूत्रों के अनुसार ममता बनर्जी और केसीआर को मनाने की कमान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव संभाल सकते हैं। गठबंधन के नेताओं को पूरा भरोसा है कि वे केंद्र में सरकार बनाने की स्थिति में होंगे। उन्हें तृणमूल कांग्रेस और बीआरएस का साथ मिलने की भी पूरी उम्मीद है। इंडिया के रणनीतिकारों का मानना है कि यूपी में गठबंधन को उनकी उम्मीद से अधिक मतदाताओं का समर्थन मिला है। उनका दावा यहां 35 से ज्यादा सीटें जीतने का है।

दस नहीं, 17 साल का लेना है हिसाब

बीजेपी के लोग बड़े-बड़े भाषण दे रहे हैं, लेकिन सोनभद्र के भाई-बहन बताओ दस साल में कितना बदलाव आया...। यहां के लोगों को न केवल दिल्ली बल्कि लखनऊ वालों ने भी धोखा दिया है। जो लोग खुद को गरीब-आदिवासी के लिए चिंतामग्न दिखाते हैं, वह बताएं कि इतनी महंगाई क्यों बढ़ाई। आपको दस साल का हिसाब नहीं लेना है, बल्कि सात साल यूपी सरकार का भी हिसाब लेना है। बीते 17 साल में किसी किसान की आय दोगुनी नहीं हुई। किसी नौजवान को रोजगार व नौकरी नहीं मिली। कई मौके ऐसे आए, जब सरकार को गरीबों के साथ खड़ा होना चाहिए था, लेकिन सरकार कहीं नजर नहीं आई। आदिवासी, किसान की जमीन छीनने का काम करने की कोशिश की, लेकिन सरकार को पीछे हटना पड़ा। अगर दोबारा सरकार में आए तो संविधान में परिवर्तन लाकर न सिर्फ किसानों की जमीन छीनेंगे, बल्कि आदिवासियों की भी जमीन छीन सकते हैं।

बिहार के सीएम पर हावी है अफसरशाही : तेजस्वी

» बोले- जम्हूरियत बचाने के लिए हमारा साथ दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री पर तंज कसा है । उन्होंने कहा कि बिहार में लोकतंत्र नहीं रह गया है, सरकार नहीं रह गई है, केवल ब्यूरोक्रेसी रह गई है। अफसरशाही चरम सीमा पर है। तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री की बात भी स्कूल के टाइमिंग को लेकर नहीं सुनी जाती। आप समझ जाइए क्या स्थिति है। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री इतना कमजोर क्यों हो गए हैं ? 47 डिग्री टेंपरेचर है।

इस हिसाब से जो छोटे बच्चे हैं उनके रिलैक्सेशन का ध्यान लोगों को देना चाहिए। यह तो कोई भी एडवाइस करता है। डॉक्टर कहते हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर में बिहार के स्कूलों का उस हिसाब का नहीं है ताकि स्कूल जाएंगे सुरक्षित रहेंगे, वह भी देखने वाली बात है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस हालत में मुख्यमंत्री तो कुछ नहीं कर पा रहे है। उन्होंने कहा कि यह तो साफ दिख रहा है कि मुख्यमंत्री को लोगों ने घेर रखा है और उनके हाथ में कुछ नहीं है। अब देश को सबसे ज्यादा जरूरत है एक होने की, बंटने का नहीं। तेजस्वी को जो सजा देना होगा दे देना लेकिन चुनाव खत्म होने दो।

लालटेन का तेल खत्म हो गया : राजनाथ

सासाराम। रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता राजनाथ सिंह ने राजीव गांधी मैदान में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के लिए चुनावी प्रचार किया। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले 10 सालों में बच्चों को यह पढ़ाया जाएगा कि कांग्रेस भी कोई पार्टी थी। जिस तरह से दुनिया में डायनासोर खत्म हो गया, उसी तरह कांग्रेस का भी नाम और निशान खत्म हो जाएगा। राजनाथ सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और उनकी पार्टी पर भी हमला बोला। कहा कि लालटेन अब बहकने लगा है। इससे समझ में आता है कि लालटेन का तेल खत्म हो गया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

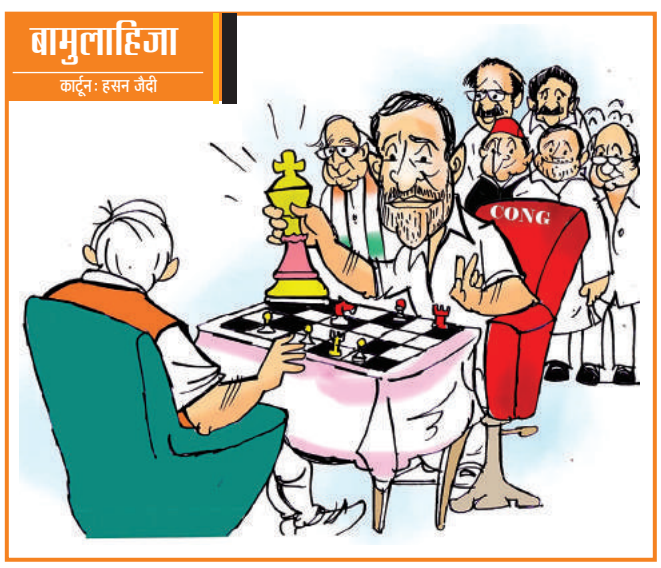

बीजेपी को गांवों में प्रचार से रोक रहे लोग : कौर

» बोलीं- भाजपा काम की नहीं नफरत की करती है राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर बादल ने बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि बीजेपी का पंजाब में कोई बेस नहीं है, गांव में लोग बीजेपी को प्रचार नहीं करने दे रहे हैं, हरसिमरत कौर ने कहा कि जिनके काम नहीं बोलते हैं, वह नफरत की बात बोलते है, हिंदू और मुसलमान की बात करते हैं, उन्होंने कहा कि जो विकास हुआ अकाली दल के समय हुआ।

इसके अलावा हरसिमरत कौर बादल ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब में दो चोर इकट्ठा हो गए हैं, कांग्रेस और आप से लोगों दुखी थे, इनके वादे और गारंटी झुठे थे। पंजाब के लोग अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे थे। पंजाब में अकाली दल ने काम किया था।

पंजाब में बीजेपी को एक भी सीट नहीं मिलेगी : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि तानाशाही के खिलाफ अगर मुझे 100 बार भी जेल जाना पड़ें तो मैं जाऊंगा। मैं भगत सिंह का चेला हूं और मुझे जेल जाने में फख्र है।1 जून को पंजाब के लोग बताएंगे। पंजाब में बीजेपी को एक भी सीट नहीं मिलेगी। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हर तरफ जनता में उत्साह और जोश देखने को मिला। जनता इस बार बीजेपी की तानाशाही को कड़ा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में पंजाब अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे पंजाब में स्कूल ठीक कर रहे हैं। अस्पताल ठीक कर दिए और मोहल्ला क्लीनिक बनाए गए हैं। लोगों को दवाइयां और बढ़िया इलाज मुफ्त में हो रहा है। बहुत काम करने बाकी है, अभी दो साल ही हुए हैं।

शाह की धमकी का जवाब वोट से दें : आप संयोजक

आप प्रमुख ने कहा, केंद्र का चुनाव है। केंद्र के चुनाव में हमारे हाथ मजबूत करो। अमित शाह पंजाब आए और लोगों को धमकी देकर गए हैं कि 4 जून क बाद पंजाब की भगवंत मान की सरकार को खत्म कर दूंगा। हटा दूंगा। ये तो गुंडागर्दी है. पंजाब के लोगों को धमकी देकर जा रहे है. मैं अमित शाह को कहना चाहता हूं कि पंजाब के लोगों का दिल बहुत बड़ा होता है. प्यार से मांगते तो दिल भी दे देते. लेकिन, जो धमका के गए तो अब देखना 1 तारीख को ऐसा बटन दबेगा कि कमल का फूल हवा में उड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि फ्री बिजली पानी जो मिल रहा है, उसे घबरा ये लोग घबरा गए हैं, इसलिए सरकार खत्म करना चाहते हैं। ये लोग खुद को भगवान से बढ़कर समझने लगे हैं।

प्रज्वल को लौटने पर हवाई अड्डे से ही गिरफ्तार किया जाएगा : परमेश्वर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि कई महिलाओं के यौन शोषण के आरोपी प्रज्वल रेवन्ना को यहां हवाई अड्डे पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दो दिन पहले जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित सांसद प्रज्वल ने एक वीडियो बयान जारी कर कहा था कि वह 31 मई को विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होंगे। इसके बाद मंत्री ने यह बयान दिया।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, हासन के सांसद ने म्युनिख से बेंगलुरु का 30 मई का हवाई टिकट बुक कराया है और वह 31 मई तड़के यहां पहुंच सकते हैं। परमेश्वर ने पत्रकारों से कहा, सभी जरूरी उपाय किए जाएंगे क्योंकि उनके (प्रज्वल) के खिलाफ वारंट जारी किया गया है। उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज

प्रज्वल रेवन्ना ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है और अपनी आसन्न गिरफ्तारी को रोकने के लिए अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की है। याचिका खारिज कर दी गई। सेक्स स्कैंडल में दागी निलंबित जद (एस) नेता के 31 मई को भारत आने की अटकलें हैं। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि प्रज्वल आएंगे। वहीं प्रज्वल ने कहा, मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है और मुझे विश्वास है कि अदालत के माध्यम से मैं झूठे मामलों से बरी हो जाऊंगा।

एसआईटी इंतजार कर रही है। वे उन्हें गिरफ्तार करेंगे और उनका बयान लेंगे और फिर एसआईटी की प्रक्रिया शुरू होगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या प्रज्वल को हवाई अड्डे पर ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा तो उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी हवाई अड्डे पर ही होनी चाहिए, क्योंकि उनके खिलाफ वारंट जारी है।

पवन ने खराब की राजग गठबंधन की हवा

पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की मुश्किलें बढ़ाई

» भोजपुरी अभिनेता ने काराकाट सीट पर बीजेपी के पारंपरिक समीकरण बिगाड़े

» कांटे की हुई चुनावी लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काराकाट। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह के काराकाट लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के ऐलान के बाद से यह निर्वाचन क्षेत्र न केवल और सुर्खियों में आ गया बल्कि मुकाबला भी कांटे का हो गया है। सिंह की उम्मीदवारी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पारंपरिक समीकरणों को बिगाड़ दिया है। अपनी स्टार अपील पर भरोसा करते हुए निर्दलीय चुनाव लड़ने का निर्णय लेने वाले सिंह को इसकी कीमत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासन के तौर पर चुकानी पड़ी है।

हालांकि पवन सिंह की दावेदारी ने मुकाबले को बहुकोणीय बनाते हुए राजग उम्मीदवार और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।वर्ष 2008 के परिसीमन में रोहतास और औरंगाबाद जिलों के तीन-तीन विधानसभा क्षेत्रों को शामिल करते हुए गठित काराकाट में वर्ष 2019 में महाबली सिंह (जदयू) और 2014 में उपेंद्र कुशवाहा (रालोसपा) ने जीत दर्ज की थी। इस बार इस सीट से राजग उम्मीदवार के तौर पर उपेंद्र कुशवाहा मैदान में हैं। जबकि विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की ओर से भाकपा-माले ने पूर्व विधायक राजा राम सिंह कुशवाहा को प्रत्याशी बनाया है। राजा राम सिंह कुशवाहा 1990 के दशक के अंत में औरंगाबाद जिला अंतर्गत ओबरा विधानसभा सीट पर दो बार जीत दर्ज कर चुके हैं। वन सिंह, उपेंद्र कुशवाहा और राजा राम कुशवाहा के अलावा असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन(एआईएमआईएम) ने भी यहां उम्मीदवार उतारा है। एआईएमआईएम के स्थानीय जिला परिषद सदस्य प्रियंका चौधरी को प्रत्याशी बनाए जाने से इस सीट पर अब लडाई बहुकोणीय हो गई है। हैदराबाद के सांसद ओवेसी चौधरी की जीत सुनिश्चित करने के लिए उनके पक्ष में हाल ही में एक चुनावी सभा भी कर चुके हैं।

उपेंद्र कुशवाहा 2014 में बने थे केंद्रीय मंत्री

इस सीट से पदार्पण करने वाले उपेंद्र कुशवाहा को 2014 में केंद्रीय मंत्रिपरिषद में जगह मिली थी। राजग से अलग हुए राष्ट्रीय लोक समता पार्टी (रालोसपा) प्रमुख कुशवाहा 2019 के लोकसभा चुनाव में महाबली सिंह से पराजित हो गए थे। रालोसपा का जदयू में विलय करने और फिर उससे अलग होकर राष्ट्रीय लोक मोर्चा का गठन करने वाले उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, मुझे यकीन है कि काराकाट के लोगों को मेरे पांच साल के कार्यकाल में यहां के विकास को लेकर किए गए मेरे प्रयास याद होंगे। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख ने दावा किया, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री के रूप में मैंने काराकाट के कई बच्चों को केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश दिलाने में मदद की। मैं हमेशा सभी जातियों और समुदायों के लोगों की मदद के लिए तत्पर रहा।

राजपूतों की वोट में सेंधमारी से बीजेपी को लगेगा झटका

हालांकि, ऐसा प्रतीत होता है कि राजग को यह अहसास हो गया है सवर्ण जाति राजपूत से आने वाले सिंह भाजपा के आधार वोटों में सेंध लगा सकते हैं। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार किया है, भले ही उनकी पार्टी यहां चुनाव नहीं लड़ रही है। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री ने इस निर्वाचन क्षेत्र में राजग उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार करते हुए नक्सली हिंसा की भयावहता को बताया और आरोप लगाया कि भाकपा माले के उम्मीदवार की जीत से फिर से यहां घोर वामपंथी गुरिल्लाओं और भूमि मालिकों के निजी मिलिशिया के बीच खूनी लड़ाई शुरू हो सकती है। मध्य बिहार के अधिकांश हिस्सों में पकड़ रखने वाली भाकपा माले के राजा राम कुशवाहा को अपनी पार्टी के कैडर पर भरोसा होने के साथ अपने वरिष्ठ सहयोगी राजद का भी ठोस समर्थन प्राप्त है।2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन ने काराकाट में सूपड़ा साफ किया था, जिसमें राजद ने पांच विधानसभा सीट और भाकपा ने एक सीट जीती थीं। काराकाट जहां लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के तहत एक जून को मतदान होगा, महागठबंधन अल्पसंख्यक मतों के विभाजन को रोकने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहा है। ओवैसी की पार्टी के चुनाव मैदान में आ जाने से यहां अल्पसंख्यक मतों के विभाजन की संभावना उत्पन्न हुई है।

पवन ने किया विकास का वादा

नामांकन के दौरान सभी प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा भीड़ आकर्षित करने वाले अभिनेता पवन सिंह खुद की तुलना महाभारत के चरित्र अभिमन्यु से करते हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि महाभारत के उक्त पात्र के विपरीत, वह इस चुनावी चक्रव्यूह को तोड़कर विजई होंगे। सिंह ने नामांकन के बाद काराकाट के विकास के लिए अपना 20 मुद्दों वाला वचन पत्र जारी किया। सिंह ने कहा, काराकाट के लिए मैने वचन पत्र जारी किया है, जिसमें अन्य चीजों के अलावा मैने फिल्म निर्माण और पर्यटन को प्रोत्साहन के लिए अपना विजन प्रस्तुत किया है। इसके लिए यहां पूरी संभावनाएं हैं, क्योंकि यह क्षेत्र पहाड़ों, जंगलों और झरनों से भरा है। निकटवर्ती भोजपुर जिले से आने वाले अभिनेता से नेता बने सिंह ने अपनी प्राथमिकताओं में डालमियानगर टाउनशिप में मरणासन्न औद्योगिक इकाइयों के पुनरुद्धार को भी सूचीबद्ध किया है जिसके जीर्णोद्धार को लेकर रोहतास के पुराने निवासी अब निराश हो चुके हैं।

घटती वोटिंग से सियासी दल परेशान

» पहले दो चरणों में कम हुआ मतदान

» तीन से छह चरण तक कुछ बढ़ने से नेताओं के चेहरे पर आई मुस्कान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें और अंतिम दौर का मतदान 1 जून को है। इस दौर में वोटों के प्रतिशत को लेकर चर्चा हो रही है। शुरुआती दो चरणों में वोटिंग कम होने से चुनाव आयोग से लेकर सियासी पार्टियों के हो उड़ गए थे। उसके बाद मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए नेताओं से लेकर निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने सारे जतन किए, उसके बाद तीसरे चरण से लेकर छठे दौर तक वोटिंग की रफ्तार कुछ बढ़ गई।

वोटिंग बढ़ने की खबर से नेताओं के चेहरे की मुस्कान भी बढ़ गई। साथ ही उनका जोश भी हाई हो गया और वह प्रचार के समय दिखने लगा। अब तो राजग गठबंधन व इंडिया एलायंस दोनों ने अपनी-अपनी सीटों की गिनती भी बताना शुरू कर दिया । वहीं दोनों गुटों ने अपनी-अपनी सरकार बनाने के दावे भी शुरू कर दिए। हालांकि किसकी बात में कितना दम है यह तो 4 जून को पता चलेगा। पर इतना तो है कि वोटिंग प्रतिशत सबके चिंता का सबब तो है ही। वहीं शुरुआत में विपक्ष ने चुनाव आयोग पर देरी से वोटिंग के आंकड़े देने का आरोप लगाया जिसका आयोग ने खंडन किया। वहीं सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष ने पहले ही हार मान ली है। सातवें दौर से पहले छठे दौर के लिए मतदान 25 मई को कराया गया था। इस चरण में आठ प्रदेशों की 58 सीटों पर 889 उम्मीदवार चुनाव मैदान में रहे। छठे दौर में सबसे ज्यादा 14 सीटें उत्तर प्रदेश की जबकि सबसे कम जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर वोटिंग हुई। चुनाव आयोग के मुताबिक, छठे दौर में 63.37प्रतिशत मतदान हुआ। 2019 के चुनाव में इन 58 सीटों पर कुल 64.22प्रतिशत फीसदी वोटिंग हुई थी। सबसे ज्यादा 84.59 फीसदी मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ था। वहीं, सबसे कम 8.98 फीसदी मतदान जम्मू-कश्मीर में दर्ज किया गया था। 1 जून को सातवें दौर में आठ प्रदेशों की 57 सीटों पर मतदान होना है। 2019 में इन 57 सीटों पर कुल 65.29प्रतिशत फीसदी वोटिंग हुई थी।

2019 में तुलना में इसबार कम हुआ मतदान

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 102 सीटों के लिए वोट डाले गए थे। 2019 में इन 102 सीटों 69.96 फीसदी वोट पड़े थे जबकि इस बार 66.14 प्रतिशत मतदान हुआ है। दूसरे दौर में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर मतदान हुआ था। पिछले चुनाव में इन 88 सीटों पर कुल 70.09 फीसदी मतदान हुआ था जबकि इस बार का आंकड़ा 66.71 प्रतिशत रहा। यहां ध्यान देने वाली बात है कि मणिपुर की बाहरी मणिपुर लोकसभा सीट के 15 विधानसभा क्षेत्रों में पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान हुआ था, जबकि अन्य 13 विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे चरण में मतदान कराया गया था। 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 93 सीटों पर तीसरे चरण का मतदान हुआ था। इन 93 सीटों पर 2019 में कुल 66.89 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था जबकि इस बार 65.68 प्रतिशत वोटिंग हुई। 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर चौथे चरण में मतदान हुआ। इन 96 सीटों पर 2019 में कुल 69.12 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। वहीं, इस बार 69.16 फीसदी मतदान हुआ है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग ने कई तरह के अभियान चलाए जिसका असर चौथे चरण के मतदान में भी दिखा। इस तरह से पहले चार चरणों में कुल 66.95त्न मतदान हुआ है। 20 मई को पांचवें चरण में आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 सीटों पर मतदान कराया गया। निर्वाचन आयोग की तरफ से वोटर टर्नआउट मोबाइल एप पर जारी आधिकारिक आंकड़े के अनुसार, पांचवें चरण की 49 सीटों पर 62.20 फीसदी मतदान हुआ। हालांकि, इस आंकड़े में बदलाव संभव है। 2019 में इन 49 सीटों पर 62.01 फीसदी मतदान हुआ था। 25 मई को छठे चरण में आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर मतदान हुआ। छठे दौर में 63.37प्रतिशत मतदान हुआ है। 2019 के चुनाव में इन 58 सीटों पर कुल 64.22 प्रतिशत फीसदी वोटिंग हुई थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

शहरों के कंक्रीटीकरण पर लगे लगाम!

यह बात सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरन्मेंट (सीएसई) की एक नई रिपोर्ट में कही गई है। इस रिपोर्ट के आने बाद से शहरी व नगर विकास करने वाले विभागों को कुछ गंभीरता से सोचना होगा कि इस तरह से बढ़ रहे शहरीकरण की वजह से पर्यावरण को हो रहे नुकसान से कैसे बचाया जाए। अगर अभी नहीं चेते तो ये शहर मौत की भट्टियां बन जाएंगी।

इस समय पूरा उत्तर भारत भीषण गर्मी से उबल रहा है। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ से लेकर लगभग हर बड़े शहर में पारा 50 के पास पहुंच रहा है। इस गर्मी की वजह से कई मौतें भी हो रही हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि कंक्रीटीकरण और आद्रता का स्तर बढ़ने से भारत के महानगरों में गर्मी बढ़ रही है जहां एक दशक पहले की तरह रात तक में मौसम ठंडा नहीं हो रहा है। यह बात सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरन्मेंट (सीएसई) की एक नई रिपोर्ट में कही गई है। इस रिपोर्ट के आने बाद से शहरी व नगर विकास करने वाले विभागों को कुछ गंभीरता से सोचना होगा कि इस तरह से बढ़ रहे शहरीकरण की वजह से पर्यावरण को हो रहे नुकसान से कैसे बचाया जाए। अगर अभी नहीं चेते तो ये शहर मौत की भट्टियां बन जाएंगी। वही सीएसई ने जनवरी 2001 से अप्रैल 2024 तक छह महानगरों- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई के लिए ग्रीष्मकालीन हवा के तापमान, भूमि की सतह के तापमान और सापेक्ष आर्द्रता डेटा का विश्लेषण किया।

थिंक टैंक ने कहा कि बढ़ी हुई आर्द्रता सभी जलवायु क्षेत्रों में गर्मी की स्थिति को बढ़ा रही है, यहां तक कि दिल्ली और हैदराबाद में हवा के तापमान में मामूली गिरावट भी बेअसर साबित हो रही है। बेंगलुरु को छोड़कर, 2001-2010 के औसत की तुलना में 2014-2020 तक अन्य पांच महानगरों में ग्रीष्मकालीन औसत सापेक्ष आर्द्रता 5-10 प्रतिशत बढ़ गई। सीएसई की रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब भीषण गर्मी भारत के बड़े हिस्से में स्वास्थ्य और आजीविका को प्रभावित कर रही है। शहरी केंद्रों के लिए एक व्यापक ताप प्रबंधन योजना विकसित करने के लिए दिन और रात के तापमान के साथ-साथ गर्मी, सापेक्ष आर्द्रता और भूमि की सतह के तापमान में बदलती प्रवृत्ति का आकलन करना आवश्यक है।भीषण गर्मी और आर्द्रता से निपटना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मानव शरीर के मुख्य शीतलन तंत्र पसीने को प्रभावित कर सकता है। त्वचा से पसीने का वाष्पीकरण हमारे शरीर को ठंडा करता है, लेकिन उच्च आर्द्रता स्तर इस प्राकृतिक ठंडक को सीमित कर देता है। परिणामस्वरूप, लोग गर्मी और बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं। महानगरों में रात में भी ठंडक नहीं हो रही है। गर्म रातें दोपहर के चरम तापमान जितनी ही खतरनाक होती हैं। अध्ययन में कहा गया कि आर्द्रता के बढ़ते स्तर ने दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में मानसून को मानसून पूर्व अवधि की तुलना में अधिक गर्म बना दिया है। पिछले दो दशकों में सभी महानगरों में अधिक कंक्रीटीकरण हुआ है जिससे गर्मी की स्थिति बढ़ गई है। सीएसई ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हरित आवरण में वृद्धि रात की गर्मी को कम करने में प्रभावी नहीं है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मतदान : पहले और अब मोदी राज में

सुरन्या अय्यर

विगत 25 मई को मैं अपना वोट देकर लौटी। अपने जीवनकाल में मैंने भारत में कई चुनाव देखे हैं, लेकिन यह पहली बार था कि मैं अपने दिल में इतने सारे संदेह और डर के साथ वोट देने गयी थी। अतीत में मतदान करते समय, बूथों पर मतदाताओं की खामोश कतारों को देखकर मैं बहुत प्रभावित हुई । हम भारतीयों के लिए मतदान करना असामान्य रूप से शांत और संयमित होता है। लोग कतार में खड़े होते हैं। वहां विभिन्न परिस्थितियों और जीवन के विभिन्न स्तरों से आए पुरुष और महिलाएं होती हैं, लेकिन सभी में शांत गरिमा का एक ही भाव होता है। मतदान के लिए प्रतीक्षा करते समय उन संक्षिप्त मिनटों में सभी एक ही भावना से बने भाईचारे में लगते रहे है।

लेकिन इस बार यह अलग लगा। माहौल में तनाव था। ऐसा नहीं था कि वहां मौजूद हर कोई मोदी विरोधी था - मैंने पूछा नहीं! लेकिन हर किसी की आवाज थोड़ी बेचैन थी, थोड़ी ऊँची थी। लोगों की टोलियाँ एक-दूसरे को बता रही थीं कि उन्होंने क्या सुना है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपका वोट सही तरीके से दर्ज हो - लंबी बीप का इंतजार करें, लाइट का इंतजार करें, वीवीपैट मशीन जरूर चेक करें, वगैरह। ऐसा क्यों हो रहा है? क्योंकि आज भारत में हमें इस बात पर बिलकुल भी भरोसा नहीं है कि मोदी सरकार द्वारा चुनाव सम्मानपूर्वक कराए जाएंगे। मोदी कहते रहते हैं कि वे संविधान नहीं बदलेंगे। लेकिन जब वे संविधान को ही नहीं समझते, जबकि वे इसके मुख्य संरक्षक हैं, तो ऐसे बयानों का क्या मतलब? वे न केवल हमारे संविधान और उसमें दिए गए अधिकारों को नहीं समझते, बल्कि संविधान या ऐसे अधिकारों के प्रति उनका कोई सम्मान भी नहीं है। वह चुनाव को एक खेल की तरह मानते हैं। ऐसा खेल जिसे उन्हें किसी भी तरह जीतना है। ऐसी धारणा रखने वाले व्यक्ति को लोकतांत्रिक देश का प्रधानमंत्री बनने का कोई अधिकार नहीं है।

यह नरेन्द्र मोदी ही हैं जिन्होंने चुनाव के बारे में हमारे दिलों में यह डर और संदेह पैदा कर दिया है - जो कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था के किसी भी नागरिक के मन में वोट देते समय कभी नहीं होना चाहिए। नरेंद्र मोदी ने क्षेत्रीय और सांप्रदायिक भावना का प्रोजेक्ट

बनाया है। वे हिंदू भावना की बात करेंगे, गुजराती गौरव की बात करेंगे, उत्तर प्रदेश के सम्मान की बात करेंगे। वे तमिलनाडु जाकर उनके गौरव की बात करेंगे। नरेंद्र मोदी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में हमारा वोट हमारा गौरव है, हमारा विश्वास कि हमारा वोट गिना जाएगा, हमारा सम्मान है और यह हमारे वोट में विश्वास ही है जो राज्य के शक्तिशाली हथियारों और विशाल संगठन के सामने हमारे स्वाभिमान, गौरव और गरिमा को सुरक्षित रखता है। नरेंद्र मोदी, क्या आप समझते हैं कि मेरा एक वोट कितना भारी, कितना मूल्यवान, कितना शक्तिशाली है जो राज्य के शस्त्रागार, खजाने और अधिकारियों की सारी ताकत को संतुलित करता है? यह वह गौरव, यह सम्मान और यह गरिमा है जिसे आपने हमसे छीन लिया है। नरेंद्र मोदी को इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि 4 जून को परिणाम जो भी हो, हम चुप नहीं रहेंगे। नरेंद्र मोदी, आप कहते हैं कि आपको लगता है कि आपके पास ईश्वर द्वारा दी गई शक्ति है? ईश्वर हम सभी को शक्ति देता है! अगर आपको अभी यह नहीं पता है, तो 4 जून को आपको यह पता चल जाएगा, चाहे आप जीतें या हारें। तो, मुझे उम्मीद है कि आप सभी मतदान करने जा रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हमारा वोट मायने रखेगा। चुनावी प्रणाली में हमारा विश्वास बहुत कम हो गया है। लेकिन, इसके बावजूद, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम अपनी लोकतांत्रिक और चुनावी प्रक्रिया के अंतिम निशान को भी बचाए रखें, बजाय इसके कि हम अन्याय या धोखाधड़ी के खिलाफ भी उस प्रक्रिया को अस्वीकार या उल्लंघन करके खुद को मुखर करने की कोशिश करें। यह समझना हर किसी के लिए बेहद जरूरी है। जब मैं वकालत की छात्र थी , तो मैंने दुनिया भर में तख्तापलट, सैन्य तख्तापलट का अध्ययन किया था।

मैंने पाया कि एक चीज जो लगातार तानाशाही वाले देशों और स्थिर लोकतंत्र वाले देशों के बीच अंतर करती है, वह है शासन या नेतृत्व की गुणवत्ता नहीं; यह समाज या सुविधाओं की गुणवत्ता नहीं है जो उन्हें मिलती हैं, या यहां तक कि उनकी अर्थव्यवस्था कितनी अच्छी या खराब प्रदर्शन करती है। अंतर यह है कि एक समझ है कि लोकतंत्र सबसे ऊपर की प्रक्रिया है, और इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए एक गहरी आस्था और सम्मान है; एक प्रतिबद्धता है कि केवल इस प्रक्रिया के माध्यम से ही हम यह निर्धारित करेंगे कि हम पर कौन शासन करने जा रहा है। मैंने इन शोधों से पाया कि जब लोकतांत्रिक प्रक्रिया खतरे में होती है, तो उसका पालन करना और उसमें अपना विश्वास दिखाना बहुत महत्वपूर्ण है, न कि जब यह खतरे में नहीं होती है। यह बहुत महत्वपूर्ण है, सिर्फ आज के भारत के लिए ही नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी।

क्या फिर एक नये रिकॉर्ड की तरफ इंदौर!

हेमंत पाल

अब यह शहर चुनाव के इतिहास में भी देश में अपना नाम बनाने जा रहा है। भले ही यह एक संभावना हो, लेकिन जो दिखाई दे रहा और समझा जा रहा, उससे इनकार नहीं किया जा सकता। मुद्दा यह है कि इस बार इंदौर 'नोटा' में भी रिकॉर्ड बनाएगा। बीजेपी का उम्मीदवार रिकार्ड मतों से चुनाव जीतेगा, इसलिए कि यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार ने ऐन वक्त पर अपना नाम वापस ले लिया था। ऐसी स्थिति में बीजेपी के उम्मीदवार के सामने कोई ताकतवर प्रतिद्वंद्वी नहीं है। जो 16 निर्दलीय मैदान में हैं, उनमें उनका किसी का ऐसा वजूद नहीं कि कोई चमत्कार हो सके।

देश में मध्य प्रदेश की इंदौर संसदीय सीट का नतीजा क्या होगा, इससे कोई अनजान नहीं है। यहां न तो कोई उत्सुकता है और न इंतजार। जब पूरे देश में चुनावी चर्चा चरम पर रही, इंदौर में राजनीतिक सन्नाटा रहा। इसलिए कि इस सीट पर कोई मुकाबला ही नहीं है। इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार ने न सिर्फ चुनाव से पलायन किया, बल्कि अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता भी बदल ली। इसके बावजूद उम्मीद के विपरीत यहां मतदान संतोषजनक हुआ। अब उत्सुकता दो आंकड़ों को लेकर बची है। पहली तो यह कि बीजेपी उम्मीदवार अपने निकटतम उम्मीदवार से कितने अंतर से चुनाव जीतता है। दूसरी उत्सुकता 'नोटा' के खाते में जाने वाले वोटों को लेकर है। कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों ही मामलों में इंदौर रिकॉर्ड बनाएगा।

इंदौर एक संभावनाशील शहर है, जो हमेशा कुछ नया करने की कोशिश में रहता है। स्वच्छता में लगातार सात बार देश में अव्वल रहने के बाद शुद्ध हवा के मामले में भी शहर ने रिकॉर्ड बनाया। यहां की आबोहवा को जीवन के लिए बेहतर माना गया और यहां की हवा की शुद्धता उत्कृष्ट रही। देश के स्मार्ट शहरों में भी इंदौर का नाम चमका। यहां स्मार्ट शहर की दिशा में जो काम हुआ, उसे देश में सराहा गया। अब यह शहर चुनाव के इतिहास में भी देश में अपना नाम बनाने जा रहा है। भले ही यह एक संभावना हो, लेकिन जो दिखाई दे रहा और समझा जा रहा, उससे इनकार नहीं किया जा सकता। मुद्दा यह है कि इस बार इंदौर 'नोटा' में भी रिकॉर्ड बनाएगा। बीजेपी का उम्मीदवार रिकार्ड मतों से चुनाव जीतेगा, इसलिए कि यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार ने ऐन वक्त पर अपना नाम वापस ले लिया था। ऐसी स्थिति में बीजेपी के उम्मीदवार के सामने कोई ताकतवर प्रतिद्वंद्वी नहीं है। जो 16 निर्दलीय मैदान में हैं, उनमें उनका किसी का ऐसा वजूद नहीं कि कोई चमत्कार हो सके।

यहां 25 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। इनमें से करीब साढ़े 15 लाख ने वोट डाले। यानी मतदान करीब 61 प्रतिशत से ज्यादा हुआ। तय है कि इसमें ज्यादातर वोट उस बीजेपी के उम्मीदवार के खाते में जाएंगे, जिसके सामने कोई मुकाबले में ही नहीं है। ऐसी स्थिति में कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार के मैदान छोड़ने के बाद किसी निर्दलीय उम्मीदवार को समर्थन नहीं दिया। उसने कांग्रेस समर्थकों से अपील की, कि वे ईवीएम में 'नोटा' का बटन दबाकर अपना विरोध दर्ज करें। इस वजह से उम्मीद की जा रही है कि 'नोटा' में सर्वाधिक वोट का देश में दर्ज पुराना रिकॉर्ड टूटेगा, जो अभी तक बिहार की गोपालगंज संसदीय सीट के नाम है। वहां 'नोटा' के खाते में 61,550 वोट पड़े थे। ऐसा अनुमान है कि इस बार इंदौर इस आंकड़े से बहुत आगे निकल सकता है। कांग्रेस ने 'नोटा' के बटन को अपने उम्मीदवार की तरह समझा और मतदाताओं को भी समझाया। अब इसका फायदा रिकॉर्ड बनने में मिलेगा।

जहां तक 16 निर्दलीय उम्मीदवारों की बात है, तो उनमें से कोई भी इतना ताकतवर नहीं, जो बीजेपी उम्मीदवार का प्रतिद्वंद्वी माना जाए। ऐसे में पिछली बार जो बीजेपी उम्मीदवार साढ़े 5 लाख वोटों के अंतर से चुनाव जीता था, संभावना है कि इस बार वह काफी ज्यादा होगा। इससे एक तरफ ईवीएम में 'नोटा' के बटन दबाने का रिकॉर्ड बनेगा, दूसरी तरफ बीजेपी उम्मीदवार के हासिल मतों का। इसलिए कहा जा सकता है कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियां नतीजे वाले दिन अपनी-अपनी पीठ थपथपाएंगे। कांग्रेस को इस बात की खुशी होगी कि मतदाताओं ने 'नोटा' में बटन दबाकर उसका साथ दिया और देश में 'नोटा' का रिकॉर्ड बना। बीजेपी अपनी उपलब्धि की खुशी मनाएगी। पर, उसके समर्थकों में ये कसक भी रहेगी कि वे ऐसा मुकाबला जीते, जिसमें कोई प्रतिद्वंद्वी ही नहीं था।

इंदौर संसदीय क्षेत्र के चुनाव में इस बार जो हुआ, वो वास्तव में अजूबा ही कहा जाएगा। यहां जिस दिन नाम वापसी का अंतिम समय था, उसी दिन कांग्रेस के उम्मीदवार ने अपना नाम वापस लेकर कांग्रेस पार्टी को मुकाबले से बाहर कर दिया। उन्होंने न सिर्फ चुनाव मैदान छोड़ा, बल्कि उसी समय प्रतिद्वंद्वी पार्टी बीजेपी में शामिल हो गए। ये देश के चुनाव इतिहास में हुई अजब घटना है। कई घंटों तक कांग्रेस की राजनीति में सन्नाटा छाया रहा। क्योंकि, नया फैसला करने का समय भी नहीं बचा था। मध्य प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों में से कांग्रेस के हाथ से एक और सीट निकल गई। लेकिन, उसने कोई नया प्रयोग नहीं किया और बजाय किसी उम्मीदवार का समर्थन करने के एक तरह से समर्पण ही किया। लेकिन, मतदाताओं से यह आह्वान जरूर किया कि वे यदि इन हालातों को लोकतंत्र के लिए सही नहीं मानते तो ईवीएम मशीन का सबसे आखिरी वाला 'नोटा' का बटन दबाएं। इससे देश के सामने यह संदेश जाएगा कि जो हुआ वो ठीक नहीं था। कांग्रेस की अपील कितना असर दिखाती है, ये तो नतीजे बताएंगे। लेकिन, देश के सामने इस लोकसभा सीट का चुनाव भी एक उदाहरण है।

शरीर को लू और गर्मी से बचाता है प्याज

पाए जाने वाले पोषक तत्व

प्याज में पर्याप्त मात्रा में सोडियम, पोटेशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, सी, और ई, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फास्फोरस पाया जाता है। इसके अलावा प्याज में एंटी-इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते हैं। एंटी-एलर्जिक, एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-कार्सिनोजेनिक गुण भी प्याज में मिलते हैं। प्याज एक तरह का सुपरफूड है।

प्राकृतिक औषधियों से युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है। इन्हीं अतुल्य प्राकृतिक भोज्य पदार्थों में प्यार शामिल है, जिसका स्वास्थ्य पर असर डालता है। शरीर की कई समस्याओं को दूर करने के लिए प्याज का सेवन फायदेमंद होता है। कच्चा प्याज लू और शरीर को गर्मी से बचाता है। इसके अलावा कई तरह के रोगों के उपचार में भी कच्चा प्याज का सेवन कर सकते हैं। अक्सर महिलाएं बाल झड़ने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी कच्चे प्याज के रस का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन ऐसा नहीं कि कच्चा प्याज हमेशा ही फायदेमंद ही होता है। कई बार अधिक मात्रा में प्याज का सेवन नुकसानदायक हो सकता है। प्याज का अधिक सेवन आंत को प्रभावित करता है और पेट की समस्या कर सकता है।

कैंसर में फायदेमंद

कच्चा प्याज कैंसर से लड़ने में असरदार है। क्योंकि प्याज में सल्फर की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो कैंसर सेल्स को नहीं बढ़ने देता है। साथ ही कैंसर से लड़ने की क्षमता भी बढ़ाता है। इसके अलावा प्याज में क्वेंरसेटिन व एंथोसायनिन भरपूर मात्रा में मौजूद होता है, जो एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है। जिससे बॉडी में कैंसर सेल्स को पनपने नहीं पाती है। एक्सपर्ट बताते हैं कि प्याज खाने से स्तन व पेट के कैंसर का भी खतरा कम होता है। जोकि बहुत ही खतरनाक होता है।

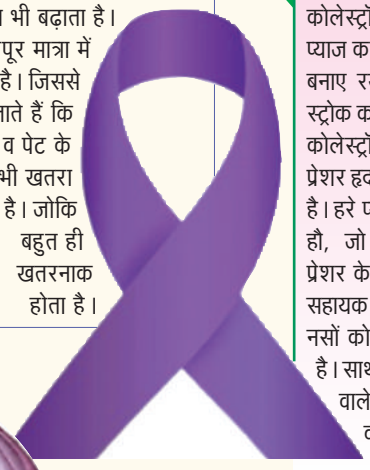

हृदय के लिए फायदेमंद

प्याज में फ्लेवोनोइड्स के गुण होते हैं, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता हैं। इसके अलावा प्याज का सेवन थियो सल्फाइट्स रक्त की स्थिरता को सही बनाए रखता है। जिससे हृदय घात और स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है। प्याज कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है। ब्लड प्रेशर हृदय रोग का खतरा बढ़ा देता है। हरे प्याज में सल्फर पाया जात हौ, जो कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के कंट्रोल करने में सहायक होता है। यह नसों को आराम पहुंचाता है। साथ ही, हार्ट पर पड़ने वाले प्रेशर को भी कम करता है।

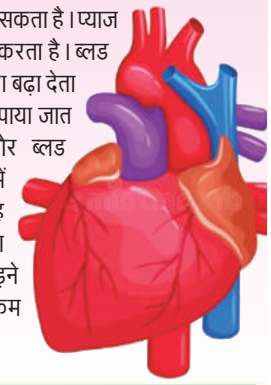

हड्डियों को बनाए मजबूत

प्यार का नियमित सेवन हड्डियों को मजबूती देता है। वैसे तो हड्डियों के लिए डेयरी पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन प्याज के सेवन से भी हड्डियों को मजबूत करने में मदद मिलती है। प्याज में भी काफी कैल्शियम पाया जाता है।

बालों के लिए लाभदायक

प्याज में एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो बालों की मजबूत, ग्रोथ में लाभकारी हैं। बाल को घने, चमकदार और तेजी से लंबाई बढ़ाने के लिए प्याज का रस सिर पर लगाया जाता है, इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्कैल्प मजबूत होता है। बालों का सफेद होना या रूसी एक आम समस्या है लेकिन प्याज का सेवन बालों को काला और डैंड्रफ मुक्त करता है।

लो शुगर में नुकसानदायक

जिन लोगों को लो शुगर की शिकायत होती है, उन्हें प्याज का सेवन कम करना चाहिए। क्योंकि प्याज शुगर के स्तर को बहुत कम कर सकता है।

आंत पर प्रभाव

कच्चा प्याज अधिक मात्रा में खाने से साल्मोनेला नाम की बैक्टीरियल समस्याएं हो सकती हैं। इस समस्या में आंत पर असर पड़ता है, जिससे धीरे धीरे पेट को नुकसान होने लगता है।

कब्ज और पेट दर्द

प्याज में फाइबर अधिक मात्रा में होता है, जो पेट की परेशानी का कारण बन सकता है। अधिक मात्रा में कच्चा प्याज खाने से पेट में दर्द और कब्ज की समस्या हो सकती है।

हंसना मना है

गोलू बड़ा परेशान बैठा था। भोलू- क्या हुआ यार। गोलू क्या बताऊं आज टीचर कह रही थी...जिंदगी चार दिन की है। लेकिन मैंने रिचार्ज तो 84 दिन का करवा लिया।

बंटू : वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे, वेटर : सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं।

संजू : पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी : किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दें।

गर्मी का कहर, एक औरत अकेले कब्रिस्तान में एक कब्र पर बैठी थी। एक राहगीर ने पूछा: डर नहीं लगता? औरत: इसमें डरने की क्या बात है, अंदर गर्मी लग रही थी तो बाहर आ गई। राहगीर अब कौमा में है।

लड़का लड़की होटल में गए... वेटर- मैम आप क्या लेंगी? लड़की- मिर्च वाला घेवर..!! वेटर- क्या..? लड़की- बोला न मिर्च वाला घेवर...!! वेटर (हैरानी से)- क्या...? लड़का- अरे भाई गांव की है, तू टेंशन मत ले, पिज्जा मांग रही है!!!

कहानी — सच्चा पुरुषार्थ

समय के साथ ही स्वामी विवेकानंद का ज्ञान और बातें पूरी दुनिया में फैल रही थीं। उनके भाषण और बातों से भारत के लोग ही नहीं, बल्कि विदेशी भी प्रभावित थे। हर कोई उन्हें अपना आदर्श मानने लगा था। स्वामी विवेकानंद की बातों और विचारों से एक विदेशी महिला इतनी प्रभावित हुई कि मन ही मन में उन्होंने स्वामी से शादी करने की ठान ली। वो हर दिन उनके बारे में ही सोचती रहती थी। उस महिला ने स्वामी से मिलने की भी बहुत कोशिश की, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। कुछ समय बाद एक बार वह विदेशी महिला उस प्रोग्राम में पहुंच गई जहां स्वामी विवेकानंद भी मौजूद थे। वो बिना किसी डर के स्वामी के पास पहुंची और बिना किसी डर के कहा, मैं आपसे शादी करना चाहती हूं। महिला की मन की बात को सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उनसे सवाल किया कि आखिर आप मुझसे ही शादी क्यों करना चाहती हैं। मुझमें ऐसा क्या आपने देखा है? स्वामी के सवाल का जवाब देते हुए उस विदेशी महिला ने कहा कि आपसे मैं बहुत प्रभावित हूं। आप बड़े ज्ञानी और गुणवान हैं। मैं चाहती हूं कि मेरा बेटा भी बिल्कुल आपके जैसा ही हो। इसी वजह से मैं आपसे शादी करना चाह रही हूं। महिला की इस इच्छा को जानकर स्वामी ने महिला से कहा कि ऐसा होना असंभव है, क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। फिर उन्होंने आगे कहा कि भले ही मैं आपसे शादी नहीं कर सकता, लेकिन आपकी इच्छा को पूरा कर सकता हूं। महिला ने स्वामी से पूछा कि वो कैसे होगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि आप मुझे ही अपना बेटा मान लीजिए और आपको मां मान लेता हूं। ऐसा करने से आपको मेरे जैसा ही बेटा मिल जाएगा। स्वामी विवेकानंद की बातों को सुनते ही महिला उनके पैरों पर गिर गई। उसने आगे कहा कि आप सचमुच बहुत बुद्धिमान हैं। मुझे आप पर गर्व है। ऐसा करके स्वामी विवेकानंद ने खुद को अच्छा पुरुष साबित किया और सच्चे पुरुषार्थ का उदाहरण दिया। असली पुरुषार्थ वही होता है जब पुरुष के मन में नारी के लिए मां जैसा सम्मान का भाव होता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

वृषभ

नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा।

मिथुन

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा।

कर्क

धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

कन्या

ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

तुला

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

वृश्चिक

किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मकर

घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा।

कुम्भ

अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मीन

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें।

महारागनी में काजोल ने गुंडों पर चलाया चाबुक

काजोल इस बार अपनी अगली फिल्म महारागनी-क्वीन ऑफ क्वीन को लेकर चर्चा में आ गई हैं। बावेजा स्टूडियो और ई 7 एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म में एक्शन-थ्रिलर कहानी दिखाई जाएगी। अब मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसमें उन्हें काफी दमदार अंदाज में देखा जा रहा है। यहां काजोल जबरदस्त तरीके से गुंडों को पीटती दिखती हैं।

चरण तेज उप्पलपति के निर्देशन में बनी फिल्म महारागनी के ट्रेलर की शुरुआत में प्रभुदेवा को प्लेन से उतरते हुए देखा जा रहा है। यहां उनका वॉइस ओवर सुनाई देता है, मौत से भी ज्यादा डरावना पता है क्या होता है? मौत से पहले की फीलिंग, और उससे ज्यादा डरावना पता है क्या है? इसके बाद नाइट कार रेसिंग देखने को मिलती है। वहीं, अगले ही पल काजोल की दमदार एंट्री होती है। यहां वह चाबुक और तलवार हाथ में लिए गुंडों को पीटती नजर आती हैं। काजोल की इस फिल्म का ट्रेलर अजय देवगन ने अपने सोशल मीडिया पर अपने चाहने वालों के साथ शेयर किया है। उन्होंने इसके साथ कैप्शन में लिखा, आली रे आली महारागनी आली। अब फैंस के बीच ट्रेलर काफी वायरल हो रहा है। फैंस ने काजोल के इस अंदाज पर प्यार लुटाते हुए कई कमेंट्स किए हैं।

कई भाषाओं में रिलीज होगी फिल्म

गौरतलब है कि महारागनी में काजोल और प्रभुदेवा के अलावा नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जीशु सेनगुप्ता और आदित्य सील जैसे सितारों को अहम किरदारों में देखा जा रहा है। इस फिल्म को हिन्दी के अलावा तमिल, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में दर्शकों के बीच रिलीज किया जाने वाला है। हालांकि, फिलहाल रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया गया है।

बॉलीवुड | मन की बात

मुस्कान के साथ किसी को हैलो बोलने में कुछ नहीं जाता : करण

कहते हैं इंसान को निरंतर सीखते रहना चाहिए। निजी जीवन हो या पेशेवर, हर दिन कुछ न कुछ आपको सिखाता है। बॉलीवुड के फिल्ममेकर करण जौहर हाल में इसी मुद्दे पर खुलकर बात की है। जब करण से पूछा गया कि उन्होंने अपने तीन दशक लंबे करियर में बालीवुड से क्या सीखी हैं ? इस पर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के निर्देशक करण ने काफी दिलचस्प जवाब दिया। करण जौहर ने कहा, पहली बात जो मैंने सीखी वह यही है कि आपको खुदकी असफलता को लेकर अपनाना चाहिए। उससे सीखे और आगे बढ़ें। वहीं दूसरा लोगों को कैसे मैनेज करना सीखी है। मेरा मानना है कि फिल्ममेकर का 90 प्रतिशत जॉब टीम को हैंडल करना है और 10 प्रतिशत कहानियां बनाना। लोगों से डील करना जरा भी आसान नहीं होता है। करण ने कहा कि कई बार कुछ लोग बहुत ही इंसिक्योरटी के साथ आते हैं। उनको हैंडिल करना कठिन होता हैं। एक फिल्ममेकर लीडर हो सकता है, तानाशाह कभी नहीं होता है। कभी भी खुद के अहंकार में अटके नहीं रहना चाहिए। वहीं निर्माता बोले कि तीसरा बात मैंने ये सीखी कि हमेशा दूसरों के प्रति दयालु और विनम्र रहें। गुड मॉर्निंग, गुड नाइट कहना, मुस्कान के साथ हैलो बोलने में कुछ नहीं जाता है। करण जौहर के वर्कफ्रंट की बात करें, तो उन्होंने हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म धड़क 2 का एलान किया है। फिल्म उनके प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनेगी। इस फिल्म में लीड रोल तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी निभाएंगे।

गुम है किसी के प्यार में करणवीर वोहरा की हुई धमाकेदार एंट्री

स्टार प्लस के शो गुम है किसी के प्यार में ने अपनी इंटरेस्टिंग और एंगेजिंग कहानी की वजह से एक लॉयल ऑडियंस बना लिया है। शो के ट्विस्ट और टर्न दर्शकों को हाई-ऑक्टेन ड्रामा के साथ टीवी स्क्रीन से साथ चिपकाए रखते हैं। इस शो में शक्ति अरोड़ा, भाविका शर्मा और सुमित सिंह अहम किरदार निभा रहे हैं।

कहानी ईशान, सावी और रीवा पर फोकस है। शो को इन किरदारों के लिए दर्शकों से खूब प्यार और सराहना मिली है और साथ ही उनके बीच के लव ट्राएंगल को भी पसंद किया गया है। हाल में चल रहे ट्रैक की बात करें तो यह ईशान और सावी के तलाक के बारे में है, जिसकी जानकारी हरिनी को नहीं है। इशवी के फैन्स के लिए एक अच्छी खबर है, दरअसल, एक्टर म शो गुम है किसी के प्यार में में एंटर हो चुके हैं। वो शो में भवर पाटिल का नेगेटिव किरदार निभाएंगे। बता दें कि करणवीर बोहरा अपनी वर्सेटाइल और दमदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। करणवीर बोहरा की एंट्री के साथ ईशान और सावी की जिंदगी में आने वाले ट्विस्टर टर्न को देखना दिलचस्प होने वाला है। शो गुम है किसी के प्यार में में दर्शकों के लिए जबरदस्त हाई-वोल्टेज ड्रामा इंतजार कर रहा है। यही वजह है कि शो में करणवीर बोहरा को देखने का इंतजार करना मुश्किल हो रहा है। इस बारे में बात करते हुए करणवीर बोहरा कहते हैं, मैं शो गुम है किसी के प्यार में का हिस्सा बनकर एक्साइटेड हूं। मुझे खुशी है कि मेरे फैंस को मुझे टेलीविजन पर देखने का मौका मिलने वाला है। शो गुम है किसी के प्यार में में मैं बाजीराव पाटिल नाम के एक पुलिस वाले का किरदार निभाऊंगा। यह पहली बार है जब मैं इस तरह का किरदार निभा रहा हूं। किरदार निगेटिव होगा जो ईशान और सावी की जिंदगी में उथल-पुथल पैदा करेगा। मेरे किरदार में कई अलग-अलग परतें हैं, जिन्हें मैं एक्सप्लोर करने के लिए उत्साहित हूं।

यहां तोड़फोड़ करने के लिए पैसे देकर एंट्री करते हैं लोग

मुंबई में कई ऐसी जगह है, जहां लोग छुट्टियों में आनंद लेने जाते हैं। आज आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताने वाले हैं, जहां आप चीजों को तोड़-फोड़कर अपना गुस्सा बाहर निकाल सकते हैं। मुंबई के रेज रूम में पैसे देकर आप अपने अंदर के गुस्से या अंदर की भड़ास को निकाल सकते हैं। यह रेज रूम सकीनाका, अंधेरी (पूर्व) में स्थित है। यहां काफी लोग आते हैं और अपने गुस्से को निकालते हैं।

रेज रूम के मैनेजर सोमेश ने बताया कि यह हर उस व्यक्ति के लिए शानदार जगह है, जो अपने गुस्से में तोड़-फोड़ करता है। घर का सामान ना तोड़कर वह यहां आकर अपनी मन मर्ज़ी से जितना तोड़-फोड़ करना चाहे, वह कर सकता है। हर चीज को तोड़ने की एक क़ीमत है। यहां 500 रुपए में आपको 6 कांच की बॉटल, 6 फुग्गे और 2 कप तोड़ने को मिलेगा। इसके अलावा यहां आप टीवी, कप और ग्लास जैसी चीजें भी तोड़ सकते हैं। यहां कई प्रकार के हथौड़े भी हैं, जिससे आप समानों को तोड़ सकते हैं। ग्राहक की सुरक्षा के लिए हेलमेट, ग्लव्स, जूते और अलग कपड़े भी पहनाए जाते हैं। सबसे पहला रेज रूम बैंगलोर में खुला था। मुंबई में रेज रूम खुलने के बाद लोगों को यह काफी पसंद आ रहा है। अब सिर्फ़ बैंगलोर और मुंबई के लोग ही नहीं, बल्कि भारत में दूसरे राज्य के लोग भी इसका लाभ उठा सकते हैं। चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और पुणे में भी जल्द ही रेज रूम खुलने वाला है। बड़े से बड़े डॉक्टर और प्रॉफ़ेसर भी यहां आते हैं। कई लोग दोस्तों के साथ मस्ती करने के लिए भी यहां आते हैं।

अजब-गजब | आतिशबाजी से भी कोसों दूर हैं इस गांव के लोग

इस गांव में नहीं इस्तेमाल होता बैंड-बाजा

यूपी के अमेठी में एक ऐसा गांव है, जहां आज भी किसी फंक्शन या त्योहार पर बैंड बाजा और आतिशबाजी नहीं की जाती है। क्योंकि, वहां के लोग एक खास पुरानी परंपरा को आज भी निभा रहे हैं। इस परंपरा को संजोने के लिए छोटे बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक एकजुट होकर खड़े हैं।

अजब गजब परंपरा का निर्वाहन करने वाले इस गांव का नाम ऐंठा है। यह वही गांव है, जहां लोग टीवी का भी इस्तेमाल नहीं करते हैं। इस गांव में टीवी के साथ बैंड बाजा और आतिशबाजी भी पूरी तरीके से प्रतिबंधित है। गांव के बड़े बुजुर्ग इसे फिजूल खर्ची बताकर इससे दूर रहने की सलाह देते हैं। तो गांव के अन्य लोग भी परंपरा का बुजुर्गों के साथ-साथ देते हैं। गांव में करीब 150 से अधिक घर हैं। सभी लोग इस परंपरा को मानते हैं।

गांव हिंदू- मुस्लिम एकता की मिसाल है। और ये परंपरा वर्षों से निभाई जाती है। बैंड- बाजा और आतिशबाजी को फिजूल खर्ची मानकर लोग इससे दूर रहते हैं। वहीं, यहां के लोग गरीब तबके की मदद कर उसकी सामाजिक और आर्थिक जरूरत को पूरा करते हैं। गांव में मदरसा के मौलवी और इसी गांव के निवासी मोहम्मद नईम बताते हैं कि इस परंपरा का कभी किसी ने विरोध नहीं किया। सब ने परंपरा का साथ दिया। उनका कहना है कि जब हम सबको समय व्यतीत करना होता है, तो हम सब बाजार चले जाते हैं। लोगों से उनके सुख दुख पूछते हैं और अच्छी बातें करते हैं। इन सब कार्यों में हमारा समय बीत जाता है। इस वजह से कभी इस परंपरा का न तो विरोध हुआ। न ही इसके लिए कोई लालसा रही। वहीं गांव के एक बुजुर्ग बताते हैं कि आजकल के समय और वातावरण के हिसाब से हम सब इस फिजूल के खर्चों से दूर रहते हैं। बेवजह के खर्च और अन्य आर्थिक समस्याओं की भी चिंता नहीं होती है। इसके साथ ही हम सब बचपन से ही इस परंपरा को निभा रहे हैं और आगे भी निभाते रहेंगे।

किसानों का कर्ज माफ करने के लिए बनाएंगे संस्था : राहुल गांधी

» बोले- मोदी सरकार ने तोड़ी किसानों की कमर

» पंजाब के किसानों को पिछले 10 साल में कुछ नहीं मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटियाला। किसानी आंदोलन का गढ़ बने पटियाला में राहुल गांधी ने किसानों के लिए बड़े एलान किए। राहुल गांधी ने कहा कि केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर एक संस्था बनाई जाएगी, जिसकी सिफारिश पर किसानों के कर्जे माफ किए जाएंगे। जब जरूरत होगी तब कर्जे माफ किए जाएंगे। साथ ही कहा कि किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाएगी। इसके अलावा उनकी सरकार की ओर से किसान फ्रेंडली बीमा योजना लाई जाएगी। मौसम की मार से जिन किसानों की फसलों का नुकसान हो जाता है। इस योजना के तहत प्रभावित किसानों के खातों में 30 दिनों के अंदर बीमा का पैसा डालना यकीनी बनाया जाएगा। राहुल ने कहा कि किसान पंजाब की रीढ़ की हड्डी हैं, जो देश की जनता को दो वक्त की रोटी देने के लिए अपना खून-पसीना बहाकर अनाज पैदा करते हैं। लेकिन इन्हीं किसानों को केंद्र की मोदी सरकार ने बीते 10 सालों में कुछ नहीं दिया। बल्कि किसानों पर तीन काले खेती कानूनों थोप दिए। इनके खिलाफ पंजाब, हरियाणा व अन्य राज्यों के किसानों को सड़कों पर उतरना पड़ा। लेकिन मोदी सरकार की ओर से किसानों को आतंकवादी कहा गया। दिल्ली के बार्डरों पर लंबी चली लड़ाई में 700 किसान शहीद हो गए। उन्होंने जब किसानों की शहादत के बारे में देश की संसद में बोलना चाहा, तो उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

बीजेपी चाहती है एक ही व्यक्ति देश को चलाए

राहुल ने कहा कि उनकी मोदी सरकार से संविधान की लड़ाई है। एक तरफ कांग्रेस व इंडिया गठबंधन संविधान की रक्षा कर रहा है। दूसरी तरफ भाजपा व आरएसएस देश के संविधान को बदलना चाहती है। इसे खत्म करना चाहती है। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान यूनियन आफ स्टेट्स है। जहां पर अलग-अलग धर्मों, जातियों के लोग रहते हैं। जो अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं। अलग-अलग कल्चर हैं। इनकी रक्षा डा. भीमराव अंबेदकर का यह संविधान करता है। दलितों व पिछड़ों को यह संविधान ही अधिकार देता है। लेकिन भाजपा पहले के राजा-महाराजाओं के समय की तरह चाहती है कि एक व्यक्ति ही देश को चलाए। एक ही भाषा हो, एक ही कल्चर हो और एक ही धर्म हो। इसलिए हम सभी को एकजुट होकर इस संविधान की रक्षा के लिए लड़ाई लड़नी होगी। यह तभी हो सकेगा, जब देश की जनता इंडिया गठबंधन को भारी बहुमत से जितवाती है।

अग्निवीर योजना को सेना भी नहीं चाहती है

राहुल गांधी ने कहा कि अग्निवीर योजना प्रधानमंत्री की योजना है। इसे सेना नहीं चाहती है। इसलिए देश के लाखों नौजवानों के हितों को देखते हुए उनकी सरकार बनने पर इस योजना को रद्द कर दिया जाएगा। फाड़ कर कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। राहुल ने देश में 30 लाख सरकारी नौकरियां भरने का भी ऐलान किया। साथ ही ग्रेजुएट नौजवानों को पहली नौकरी पक्की देने का वादा भी किया। बेरोजगारों के खातों में हर महीने 8500 रुपये डालने का भी ऐलान किया।

मेरे निर्दोष साबित होने पर क्या कार्यकर्ता संन्यास ले लेंगी : पवार

» पुणे पोर्श मामले में अजित पवार ने लगे आरोपों पर दी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में पुणे पोर्श मामले ने अब राजनीतिक रूप ले लिया है। उपमुख्यमंत्री और राकांपा नेता अजित पवार ने एक कार्यकर्ता के उस दावे पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने (कार्यकर्ता) कहा था महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम ने फोन करके पुलिस पर दबाव बनाया। अजित पवार ने इस दावे पर पलटवार करते हुए कहा कि वह खुद को बेकसूर साबित करने के लिए नार्को परीक्षण कराने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि निर्दोष साबित होने के बाद क्या वह (कार्यकर्ता) संन्यास ले लेंगी?

कार्यकर्ता अंजलि दमानिया ने अजित पवार पर आरोप लगाया कि पुणे सड़क दुर्घटना के बाद उन्होंने (अजित पवार) पुणे पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार को फोन किया था। डिप्टी सीएम ने सोमवार को कहा कि उन्होंने ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया था कि पुलिसकर्मी किसी दबाव में न आएं। राकांपा नेता ने कहा, एक जनप्रतिनिधि के तौर पर हमारे पास इन घटनाओं को लेकर फोन कॉल आते रहते हैं। मैंने पुलिस कमिश्नर को फोन किया था। मैंने उनसे कहा कि नबालिग आरोपी अमीर घर से ताल्लुक रखता है, ऐसे में पुलिस पर दबाव बनाने की संभावनाएं हैं। मैंने उनके कहा कि वे किसी भी राजनीतिक दबाव के आगे न झुकें।

हिमाचल में चुनाव जनता लड़ रही, जनता ही जीतेगी : सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

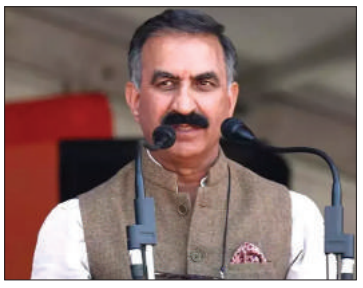

शिमला। मुख्यमंत्री बनने के कुछ ही माह बाद सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश में आई प्राकृतिक आपदा का जिस धैर्य व साहस से सामना किया, उसी का परिचय उन्होंने सरकार के तख्तापलट की कोशिश को नाकाम करने में भी दिया। अब चार लोकसभा सीटों पर भाजपा की हैट्रिक को रोकने के साथ-साथ छह विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में उनका कड़ा इम्तिहान है। प्रचार की कमान संभाले सुक्खू विरोधियों के खिलाफ आक्रामक हैं और सीधे-सीधे इसे जनबल की धनबल से लड़ाई करार दे रहे हैं।

वह विश्वस्त हैं कि उनकी सरकार को कोई खतरा नहीं है और सभी छह विधानसभा सीटें कांग्रेस जीतेगी, क्योंकि यह चुनाव वह नहीं, जनता लड़ रही है। यह चुनाव ऐसी परिस्थितियों में होने जा रहा है कि आम चुनाव न होकर विशेष चुनाव बन गया है। जब कांग्रेस को पूर्ण बहुमत हिमाचल की जनता ने दिया, 40 सीटें चुनकर आईं और पांच साल तक हमें काम करने का मौका दिया गया, फिर ऐसी क्या परिस्थितियां हुईं कि राज्यसभा चुनाव से पहले छह कांग्रेसी विधायक राजनीतिक मंडी में बिके। खरीदने वाली वह पार्टी थी जिसने उन्हें टिकट दिए।

लाउड स्पीकर मामले में हो रही मनमानी

» दिग्विजय ने एकतरफा कार्रवाई को लेकर सीएम को लिखा पत्र, बोले- अफसरों पर कसें नकेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश के धार्मिक स्थलों पर नियम विरुद्ध लगाए गए लाउड स्पीकर्स को उतारने का अभियान चलाया जा रहा है। इसको लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर कहा है कि मेरे संज्ञान में आया है कि मध्यप्रदेश सरकार के जारी निर्देशों का समानता से पालन नहीं हो रहा है। प्रदेश के शहरों में कड़ाई से पालन करने के नाम पर पुलिस और प्रशासन मनमाने तरीके से ध्वनि विस्तारक यंत्रों को हटा रहा है।

कई मंदिरों से सिर्फ आरती के समय उपयोग किए जाने वाले लाउड स्पीकरों को उतार दिया गया। कई मस्जिदों से नमाज के पहले अजान के लिए उपयोग किए जाने वाले लाउड स्पीकरों को भी जबरन उतार दिया गया। इसके लिए संबंधित धार्मिक स्थलों के प्रमुखों या धर्मगुरुओं से भी कोई सलाह-मशवरा नहीं किया जा रहा है। इस प्रकार धार्मिक केंद्रों द्वारा नियमों का पालन करते हुए उपयोग किए जा रहे लाउड स्पीकर्स को उतारना आम लोगों और धर्मगुरुओं की भावनाओं को आहत करता है।

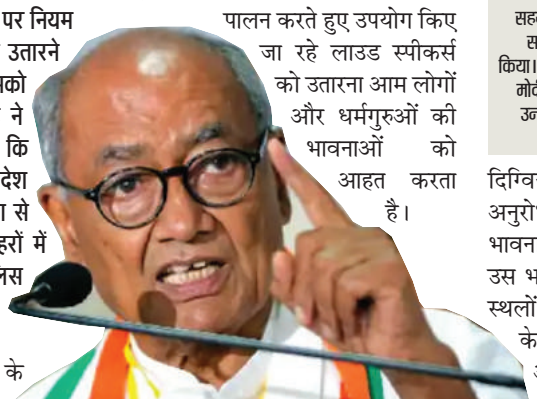

दिग्विजय सिंह ने कहा है कि मेरा आपसे अनुरोध है कि मध्यप्रदेश शासन ने जिस भावना से यह दिशा-निर्देश जारी किए हैं, उस भावना की रक्षा करने के लिए धार्मिक स्थलों पर लगे लाउड स्पीकर्स को नियमों के अंतर्गत उपयोग करने से रोकने वाले अधिकारियों पर नियंत्रण किया जाए।

महागठबंधन मप्र में 10 से 12 सीट जीतेगा : अरुण यादव

खंडवा। मध्य प्रदेश कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव देर शाम खंडवा पहुंचे। इस दौरान वे पूर्व नेता प्रतिपक्ष अहमद पटेल के यहां आयोजित एक निजी कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने समर्थकों से मिलने के बाद उन्होंने मीडिया से भी चर्चा की, जिसमें वे आने वाले लोकसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस की जीत को लेकर आश्वस्त दिखे। उन्होंने परिणामों को कांग्रेस और सहयोगी इंडि गठबंधन के फेवर में आने की बात कही। साथ ही इंडि गंठबंधन की सरकार बनाने का दावा भी किया। इस दौरान कांग्रेस नेता अरुण यादव ने प्रधानमंत्री मोदी पर भी तीखा हमला किया। यादव ने कहा कि जब उनकी और उनकी पार्टी की स्थिति खराब होती है तो वे अनर्गल बयान देते है।

टी-20 में टीम इंडिया का शीर्ष स्थान बरकरार

» जारी आईसीसी रैंकिंग में भारत के हैं 264 रेटिंग अंक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण के विजेता भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आगामी चरण से पहले पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान कायम रखा। भारत के 264 रेटिंग अंक हैं। दो बार की चैम्पियन वेस्टइंडीज अपने खिलाड़ियों के टी20 विश्व कप से पहले शानदार फॉर्म में आने से चौथे स्थान पर पहुंच गयी। 2012 और 2016 चरण की विजेता टीम दक्षिण अफ्रीका पर 3-0 की जीत से न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से आगे है।

दक्षिण अफ्रीका सातवें स्थान पर खिसक गया है। वहीं 2021 चैम्पियन आस्ट्रेलिया 257 अंक से दूसरे स्थान पर है, गत चैम्पियन इंग्लैंड 254 अंक से तीसरे और वेस्टइंडीज उससे दो अंक पीछे 252 अंक पर है। न्यूजीलैंड के 250 अंक हैं जबकि पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका दोनों के 244 अंक हैं। पाकिस्तान दशमलव की गणना में दक्षिण अफ्रीका से आगे है। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने दो जून में पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ टूर्नामेंट का आगाज करने से पहले घरेलू श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया जिसका उन्हें रैंकिंग में फायदा मिला। ताजा अपडेट में बांग्लादेश और अमेरिका के बीच श्रृंखला तथा इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच चल रही श्रृंखला के मैच के नतीजों को भी जगह दी गयी।

अपने को अमेरिका के हिसाब से ढाल रहे भारतीय क्रिकेटर

न्यूयॉर्क। दूधिया रोशनी में दो महीने तक आईपीएल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने विराट कोहली के बिना टी20 विश्व कप के लिए यहां सुबह ट्रेनिंग सत्र के साथ अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। टी20 विश्व कप में भारत के सभी शुरूआती मैच सुबह साढ़े 10 बजे शुरू होंगे इसलिये सुबह के ट्रेनिंग सत्र को तवज्जो दी गयी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बाहर होने के बाद कोहली ने व्यक्तिगत काम के लिए ब्रेक लिया है और उनके शुक्रवार को टीम से जुड़ने की संभावना है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वह लंबी यात्रा के बाद शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले भारत के एकमात्र अभ्यास मैच में हिस्सा लेंगे या नहीं।

थरूर के पीए के पास सोना मिलने से गरमाई सियासत

» भाजपा ने कांग्रेस सांसद पर बोला हमला

कानून को अपना काम करना चाहिए : शशि थरूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली कस्टम्स ने दिल्ली एयरपोर्ट पर 500 ग्राम सोने की तस्करी के आरोप में दो लोगों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में से एक ने दावा किया कि वह कांग्रेस नेता शशि थरूर का निजी सहायक है। इसको लेकर सियासत भी गरमा गई है। जिस व्यक्ति ने कथित तौर पर कांग्रेस सांसद से जुड़े होने का दावा किया है, उसकी पहचान शिव कुमार प्रसाद के रूप में हुई है। मौजूदा सांसद शशि थरूर तिरुवनंतपुरम निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं, जहां 26 अप्रैल को मतदान हुआ था।

भाजपा ने इस सीट से राजीव चंद्रशेखर को मैदान में उतारा है। संदेह के आधार पर, नई दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम्स के अधिकारियों ने बुधवार को फ्लाइट टीजी-323 से बैंकॉक से आईजीआई एयरपोर्ट पहुंचे एक भारतीय नागरिक के खिलाफ सोने की तस्करी का मामला दर्ज किया है, दिल्ली कस्टम्स ने एक बयान में कह- आगे की जांच में एक अन्य व्यक्ति की संलिप्तता का पता चला। शशि थरूर ने कहा कि वह मेरे स्टाफ के एक पूर्व सदस्य से जुड़ी घटना के बारे में सुनकर स्तब्ध हैं, जो हवाई अड्डे की सुविधा सहायता के मामले में मुझे अंशकालिक सेवा प्रदान कर रहा है। थरूर ने स्पष्ट किया कि वह व्यक्ति 72 वर्षीय सेवानिवृत्त व्यक्ति है, जो लगातार डायलिसिस करवा रहा है, और उसे दया के कारण अंशकालिक आधार पर रखा गया था। कांग्रेस सांसद ने एक एक्स पोस्ट में कहा, मैं किसी भी कथित गलत काम का समर्थन नहीं करता और मामले की जांच के लिए आवश्यक किसी भी आवश्यक कार्रवाई करने के अधिकारियों के प्रयासों का पूरा समर्थन करता हूं। कानून को अपना काम करना चाहिए।

सीपीएम व कांग्रेस सोने के तस्करों का गठबंधन : राजीव चंद्रशेखर

भाजपा ने इसको लेकर कांग्रेस सांसद को घेर लिया है। रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सीपीएम और कांग्रेस सोने के तस्करों का गठबंधन है। उन्होंने एक्स पर लिखा, पहले सीएम सचिव सोने की तस्करी में शामिल थे। अब कांग्रेस सांसद के सहयोगी- पीए को सोने की तस्करी के लिए हिरासत में लिया गया। सीपीएम और कांग्रेस - दोनों ही भारतीय गठबंधन के सहयोगी - सोने के तस्करों का गठबंधन हैं।

कांग्रेस नेता आनंद शर्मा को पोस्टल बैलेट से वोट डालने की नहीं मिली इजाजत

» सीईओ ने चुनाव संचालन नियम का हवाला देते हुए अनुरोध को ठुकराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। कांगड़ा से कांग्रेस उम्मीदवार आनंद शर्मा ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को पत्र लिखकर शिमला के बजाय धर्मशाला से डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करने की अनुमति मांगी थी, जहां वह एक मतदाता के रूप में नामांकित हैं। सीईओ ने चुनाव संचालन नियम, 1961 के प्रावधानों का हवाला देते हुए अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है, जो केवल एक विशेष श्रेणी के मतदाताओं को डाक मतपत्रों का उपयोग करने की अनुमति देता है, लेकिन उम्मीदवारों को नहीं। सीईओ ने शर्मा से कहा कि उन्हें डाक मतपत्र सुविधा का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि नियम केवल चुनिंदा श्रेणियों के मतदाताओं जैसे कि केंद्रीय सेवाओं में, निवारक हिरासत के तहत या चुनाव ड्यूटी पर विकल्प का लाभ उठाने की अनुमति देते हैं।

नियमों की धारा 27 के तहत, इस सूची का विस्तार बेंचमार्क विकलांगता वाले लोगों, 85 वर्ष और उससे अधिक के वरिष्ठ नागरिकों और कोविड-19 से संक्रमित या संदिग्ध लोगों को शामिल करने के लिए किया गया है। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सीईओ से कहा कि उन्हें धर्मशाला से वोट डालने की अनुमति दी जाए क्योंकि वह कांगड़ा लोकसभा सीट के लिए चुनाव प्रचार के बीच में थे। शर्मा को शिमला में मतदाता के रूप में नामांकित किया गया है, जो धर्मशाला से लगभग 250 किमी दूर है। उन्होंने तर्क दिया कि उन्हें वोट डालने के साथ-साथ चुनाव लड़ने का भी अधिकार है। अपना अनुरोध अस्वीकार किए जाने के बाद उन्होंने कहा कि वह इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे।

सिसोदिया को कोर्ट से फिर लगा झटका

» शराब नीति मामले में 6 जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में आप नेता मनीष सिसोदिया को एक बार फिर से कोर्ट से झटका लगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को मनीष सिसोदिया और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत को 6 जुलाई तक बढ़ा दिया है। दिल्ली शराब नीति मामले में मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पिछले साल हुई थी। फरवरी में सिसोदिया को लखनऊ में अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए 3 दिन की जमानत मिली थी।

मनीष सिसोदिया रद्द हो चुकी दिल्ली शराब नीति मामले में आरोपी हैं। केंद्रीय एजेंसियों के जरिए इस मामले की जांच की जा रही है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पिछले साल फरवरी में मनीष सिसोदिया को शराब नीति मामले में गिरफ्तार किया था। वहीं, पिछले साल ही एक महीने बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी उन्हें इस मामले में 9 मार्च को गिरफ्तार कर लिया।

जगन्नाथ यात्रा में विस्फोट, 15 लोग घायल

» सीएम ने घटना पर व्यक्त किया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुरी। ओडिशा के पुरी में बुधवार की रात भगवान जगन्नाथ के चंदन यात्रा उत्सव के दौरान बड़ा हादसा हो गया है। इस चंदन यात्रा उत्सव के दौरान पटाखों के ढेर में विस्फोट हो गया है। इस घटना की चपेट में कुल 15 लोग आकर झुलस गए है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय सैकड़ों लोग अनुष्ठान देखने के लिए नरेन्द्र पुष्करिणी सरोवर के तट पर एकत्र हुए थे। पुलिस के मुताबिक श्रद्धालुओं का एक समूह इस अवसर पर आतिशबाजी कर रहा रहा था तभी एक चिंगारी पटाखों के ढेर पर गिरी और उसमें धमाका हो गया।

पुलिस ने बताया कि जलते हुए पटाखे मौके पर एकत्रित लोगों पर गिरे और उनमें से कुछ लोग खुद को बचाने के लिए जलाशय में कूद गए। एक चिकित्सक ने बताया कि घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनमें से चार की हालत गंभीर है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने घटना पर दुख व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को घायलों का उचित उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

नोएडा में एसी फटने से लगी आग

उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 100 में स्थित लोटस ब्लूबर्ड सोसाइटी में एयर कंडीशनर फटने से पूरा का पूरा फ्लैट भयानक आग की चपेट में आ गया। आग लगने से पूरी सोसाइटी में अफरा-तफरी मच गई। डर की वजह से आसपास के फ्लैट में रहने वाले लोग अपना फ्लैट छोड़कर नीचे आ गए। एसी फटने से लगी आग की चपेट में कई और फ्लैट आने की संभावना जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर जो वीडियो सामने आया है, उसमें ऊंची-ऊंची इमारतों के बीच के फ्लैट में आग लगी हुई नजर आ रही है। आग की लपटों को बाहर से ही देखा जा सकता है. वहीं इमारत से धुएं का गुबार भी निकलता दिख रहा है. सामने आ रहे विजुल्स से लग रहा है कि एसी फटने से भयानक आग लगी है। फिलहाल किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है, लेकिन इस खबर से जुड़े और विवरण की प्रतीक्षा की जा रही है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने केरल में दी दस्तक

» पूर्वोत्तर में भी लोगों को राहत की आस बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम मानसून ने पूर्वानुमान से एक दिन पहले आज यानी गुरुवार को केरल तट पर दस्तक दे दी। अब यह पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों की ओर बढ़ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया था कि अगले 24 घंटों के दौरान केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी रहेंगी। मौसम कार्यालय ने 15 मई को केरल में 31 मई तक मानसून के दस्तक देने का अनुमान जताया था। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि रविवार को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश से गुजरे चक्रवात रेमल ने मानसून के प्रवाह को बंगाल की खाड़ी की ओर खींच लिया है, जो पूर्वोत्तर में मानसून के जल्दी आने का एक कारण हो सकता है।

केरल में पिछले कुछ दिन से भारी बारिश हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप मई में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर और असम में मानसून के आगमन की सामान्य तिथि पांच जून है। आईएमडी ने कहा कि इस अवधि के दौरान दक्षिण अरब सागर के कुछ और हिस्सों, मालदीव, कोमोरिन, लक्षद्वीप के शेष हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी, उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं।

आज मिल सकती है राहत

मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार से पारे में गिरावट के आसार जताए हैं। बुधवार को दिन का तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस रहा। मंगलवार के मुकाबले इसमें कोई बदलाव नहीं रहा। न्यूनतम पारा जरूर 0.2 डिग्री की गिरावट के साथ 29.4 दर्ज किया गया। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक बंगाल की खाड़ी से आने वाली आर्द्र पुरवा हवाओं की सक्रियता बढ़ने से लखनऊ में बृहस्पतिवार से बादलों की आवाजाही रहेगी।

जानलेवा हुई गर्मी ने ली 51 से ज्यादा लोगों की जान

पूरे उत्तर भारत समेत यूपी में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। बुंदेलखंड में प्रचंड गर्मी और लू की चपेट में आने से बीते दिनों 31 लोगों से ज्यादा की जान चली गई। इसमें महोबा में आठ, हमीरपुर में सात, चित्रकूट में छह, फतेहपुर में पांच, बांदा में तीन और जालौन में दो व्यक्ति की मौत हो गई। इनमें से ज्यादातर लोग किसी काम से बाहर निकले थे और रास्ते में ही अचेत होकर गिर गए। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। बहराइच में लू की चपेट में आने नानपारा व कैसरगंज तहसील क्षेत्र में दो लोगों की मौत हो गई। इसी तरह प्रयागराज में एक दरोगा समेत चार लोगों की जान चली गई। ग्रेटर नोएडा में मेरठ निवासी एक बुजुर्ग की लू लगने से मौत हो गई। बलिया में एक महिला की मौत हो गई। इसके अलावा वाराणसी में छह, मिर्जापुर में तीन, आजमगढ़, जौनपुर और सोनभद्र में एक-एक की मौत हुई है। आशंका जताई जा रही है कि इन सभी लोगों की लू लगने से मौत हुई है, हालांकि पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल सकेगा की मौत की असल वजह क्या है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।